

न्यायालय श्री मान राजस्व मंडल क्वालियर (म.प्र.)

88

निगम-1998(II)/11

जे.टी. 9047-#47

दिला-सतना



राममिलन तनय एमापारा काही सतना आवेदन क्रि.

वनाम

जे.टी. निगम

अनुसुइया दीन सिंह एवं अन्य खतना

दिनांक 8-2-17 को
को को से
अपील क्र. 2/17

पुनरीक्षण अर्थात् धारा 35 को मा.

आवेदन पत्र वाकत पुनर्स्थापित किए जाने प्रकरत खर्चाज दिनांक 27-1-17

मान्यवर

मान्यवर

श्रीद्वारे प्रकरत माननीय न्यायालय में विचारधार्मिक था जिससे तारीख देसी दिनांक 27-1-17 को नियत थी तथा प्रकरत अदम्य धरती में खर्चाज कर दिया गया है। प्रार्थी ने प्रकरत में उपस्थित होने में जानबूझ कर लापरवाही नहीं किया है वलिक अपि वक्त। अन्य न्यायालय में अल्ट थे इस लिए दखिर नहीं हो सके है यदि प्रकरत पुनर्स्थापित नहीं किया जाता है तो निगमाकारा प्रारत को अक्षरितीय दालि होगी तथा न्यायसे वंचित हो जायगे इस लिए न्यायहित

(2)

M

28/3/17 9047-III/17 अनादी.

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभावक आदि के हस्ताक्षर
<p>28/3/17</p> <p>M</p>	<p>आवेदन के अतिरिक्त आ - श्री श्री श्री श्री 340/3 न के अर्ज के अतिरिक्त आवेदन - एल न के अर्ज के अतिरिक्त आवेदन अर्ज सं. 1090 A - 1998-III/11 में 27/11/17 का आदेश के अतिरिक्त में अतिरिक्त आवेदन के अतिरिक्त आवेदन के अतिरिक्त आवेदन सं. 1090 A - 1998-III/11 अर्ज नंबर एल न के अतिरिक्त के अतिरिक्त - अतिरिक्त के अतिरिक्त आवेदन के अतिरिक्त अतिरिक्त के अतिरिक्त आवेदन के अतिरिक्त अतिरिक्त के अतिरिक्त आवेदन के अतिरिक्त</p>	<p>DR</p> <p><i>[Signature]</i> 28/3/17</p>